

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार 11 अगस्त 2026

नारनौल सहित पूरे महेन्द्रगढ़ जिले में शिवालियों में चढ़ेगी कांवड़, शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

सावन के पावन महीने में शिवरात्रि पर मंगलवार को नारनौल सहित पूरे जिले में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। हरिद्वार, गंगोत्री सहित विभिन्न तीर्थस्थलों से पवित्र गंगाजल लेकर लौटे कांवड़िए भगवान शिव के शिवलिंग पर जल अर्पित करेंगे। इसके साथ ही जिले के प्रमुख शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

सावन में कांवड़ यात्रा को भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व माना जाता है। कांवड़िए कई दिनों तक पैदल यात्रा कर गंगाजल लेकर अपने गांव और शहर पहुंचते हैं। इसके बाद निर्धारित तिथि पर शिवालियों में पहुंचकर विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। नारनौल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ लेकर पहुंचे हैं। सुबह से ही मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना,

आज दिखेगा आस्था और भक्ति का संगम गूंजेगा हर-हर महादेव, शिवालियों को सजाया

रुद्राभिषेक और जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो जाएगा। श्रद्धालु भगवान शिव को गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करेंगे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में भी शिव पूजा को लेकर खास उत्साह दिखाई दे रहा है। कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल है।

कांवड़िए अपने-अपने गांवों में पहुंचने के बाद ढोल-नगाड़ों और डीजे के साथ मंदिरों तक पहुंचेंगे। मंदिर समितियों ने भी श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक दर्शन करने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। सावन शिवरात्रि के अवसर पर शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने की परंपरा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष श्रद्धा रहती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। इसी आस्था के चलते हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर शिवालियों में पहुंचेंगे।



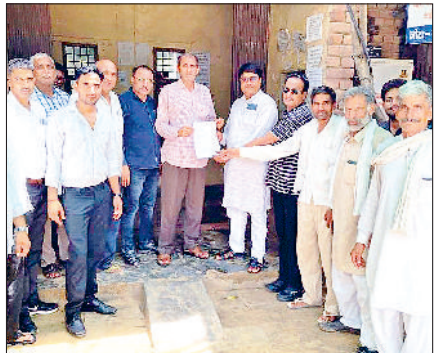
नारनौल। मोड़ावाला में भगवान शिवशंकर की प्रतिमा। फोटो: हरिभूमि

आज शिव पूजन चार पहर में करने का विधान
प्रथम पहर: शाम 07:04 बजे से रात 09:45 बजे तक
द्वितीय पहर: रात 09:45 बजे से रात 12:26 बजे तक
तृतीय पहर: रात 12:26 बजे से प्रातः 03:07 बजे तक
चतुर्थ पहर: 12 अगस्त को प्रातः 03:07 बजे से सुबह 05:48 बजे तक

शिवरात्रि आज, भगवान शिव की पूजा चार पहर में करने का विधान

महेन्द्रगढ़। श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को सावन शिवरात्रि मनाई जाती है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित है। इस दिन शिव भक्त भगवान शंकर की विशेष रूप से पूजा अर्चना करते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज

गढ़ी ने बताया कि मंगलवार को शिवरात्रि मनाई जाएगी। शिव कृपा प्राप्ति के लिए शिव भक्त व्रत रखेंगे। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण किया था। विष की तपन को शांत करने के लिए देवताओं ने उनका जल से अभिषेक किया था। इसी कारण शिव नीलकंठ कहलाए, तभी से श्रावण शिवरात्रि मनाई जाती है। शिवरात्रि को भगवान शिव के साथ माता पार्वती, गणेश, कार्तिकेय एवं शिवगणों की विशेष रूप से अर्चना करें। शंकर भगवान का जल, दूध, दही, घी, शहद व पंचामृत से शिवजी का अभिषेक करें। नमः शिवाय मंत्र का जप करते हुए शिवलिंग पर बेलपत्र, मांग, धतूरा और फूल, पुष्प अर्पित करें। शिवलिंग पर हल्दी, रोली, सिंदूर और तुलसी बिलकुल भी अर्पित नहीं करना चाहिए।



रजिस्ट्री-इंतकाल की समस्या के समाधान की मांग

सतनाली मंडी। सतनाली उपतहसील में जमीन की रजिस्ट्री नहीं होने की समस्या के समाधान हेतु उपतहसील में मुख्यमंत्री के नाम झापन सौंपा। राजपूत सभा महेन्द्रगढ़ के पूर्व प्रधान सवाई सिंह राठौड़ के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने उपतहसील में सौंपे झापन में बताया कि पिछले एक सप्ताह से सतनाली उपतहसील में रजिस्ट्री ऑनलाइन नहीं हो रही है। इसके अलावा कई महीनों से इंतकाल भी नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोग परेशान हैं। उन्होंने जल्द से जल्द उपतहसील में सतनाली की ऑनलाइन रजिस्ट्री व इंतकाल शुरू करवाने की मांग की, ताकि लोगों को हो रही परेशानी से निजात मिल सके। इस मौके पर सवाई सिंह राठौड़, मुकेश कुमार, सतीश, अशोक, विकास, रोहताश सिंह, सुरजमान, कृष्ण, रिकु आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

शिवरात्रि पर फतेहपुर में मेला व कुश्ती आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव फतेहपुर में शिवरात्रि के पावन मौके पर आज 11 अगस्त को भव्य मेले के साथ कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर गांव में उत्साह का माहौल बना हुआ है। मंदिर के पुजारी राधेश्याम जोगी ने बताया कि कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों के लिए 50 रुपये से लेकर 11 हजार रुपये तक के इनाम रखे जाएंगे।

गोसेवा के लिए आगे आई ट्रस्ट की टीम

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की नांगल चौधरी टीम ने बाबा मुकंददास गोशाला नांगल चौधरी में सेवा की। यह टीम का 63वां कार्यक्रम था। टीम के सदस्य विवेक ने कहा कि गोसेवा से मन को शांति मिलती है और सभी को समय समय पर गोसेवा के लिए आगे आना चाहिए। सेवा कार्य में योगेश, नरेंद्र, विवेक, कुलदीप व रविंद्र सने श्रमदान किया।

शिवरात्रि के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को शिवरात्रि के उपलक्ष्य में श्री हरकेश्वर शिव मंदिर अनाथ गोशाला के पास निजामपुर रोड पर सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। जिसके मुख्य यजमान हरप्रसाद सैनी व प्रशान्त सैनी होंगे। मंडल सदस्य तरुण सोनी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

रक्तदान शिविर 13 अगस्त को

नारनौल। आर्यव्रत सेवा न्यास की ओर से रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से 13 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन 184 पी हुडा सेक्टर स्थित परिसर में किया जाएगा। जिसका उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों को नियमित रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पित्तानिया ने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति जिम्मेदारी भी है।

रक्तदान शिविर 16 अगस्त को

नारनौल। अग्रवाल वैश्य समाज जिला इकाई की ओर से जिला रेडक्रॉस सोसायटी एवं नागरिक अस्पताल के सहयोग से 16 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन ट्रामा सेंटर में सुबह नौ बजे से एक बजे तक किया जाएगा। अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष सदीप नूनीवाला ने बताया कि मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. अशोक कुमार होंगे। अध्यक्षता प्रो. पूर्ण प्रभा, पूर्व प्राचार्या राजकीय पीजी कॉलेज करेंगी।

2019 में शुरू हुआ था 34 करोड़ की परियोजना का काम, सड़क से लेकर पार्क और जल निकासी तक कई कार्य आज भी अधूरे

राजकुमार ►► नारनौल

करीब सात साल से अधूरे पड़े शहर के बहुचर्चित छलक नाले के दिन अब बदलने की उम्मीद जगी है। वर्षों से अधूरे पड़े इस नाले के निर्माण को पूरा करने के लिए सरकार ने करीब साढ़े सात करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। वर्ष 2019 में करीब 34 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम अब तक पूरी तरह पूरा नहीं हो सका था। कहीं नाला अधूरा है तो कहीं उसके ऊपर बनने वाली सड़क का काम बाकी है, कहीं फुटपाथ और जल निकासी की नालियां नहीं बनीं तो योजना में प्रस्तावित पार्क भी धरातल पर नहीं उतर पाए। ऐसे में नई राशि की मंजूरी ने वर्षों से इंतजार कर रहे शहरवासियों को एकबार फिर उम्मीद दी है कि इस बार छलक नाला अधूरा नहीं छूटेगा और शहर को जल निकासी के साथ-साथ वह सुविधाएं भी मिलेंगी, जिनका सपना परियोजना के



नारनौल। शनिदेव मंदिर की तरफ अधूरे नाले में उगे पेड़। फोटो: हरिभूमि

अलग खबर

नक्शे में दिखाया गया था।

बता दें कि छलक नाला शहर के बाद वर्ष 2017 में इसके लिए टेंडर प्रक्रिया हुई और वर्ष 2019 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। परियोजना की शुरुआती स्वीकृत लागत करीब 34 करोड़ रुपये थी। शहर के नंदे और बरसाती पानी की निकासी का स्थायी समाधान करना तथा नाले के आसपास सुविधाएं विकसित कर शहर की तस्वीर बदलना भी था।

बीचोंबीच से होकर गुजरता है और लंबे समय से शहर की जल निकासी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्‌टर ने नारनौल आईटीआई में आयोजित विकास रैली में इसे पक्का करने की घोषणा की थी। पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव के संयोजन में आयोजित इस रैली में उनकी

पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने सीएम से की मुलाकात

महेन्द्रगढ़। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित भारद्वाज ने मुख्यमंत्री नारायण सैनी को बाबा जयराम दास का स्मृति चित्र देकर स्वागत किया। देर शाम नारनौल पीडब्ल्यूटी रैस्ट हाउस में हरियाणा के मुख्यमंत्री नारायण सिंह सैनी का जिला महेन्द्रगढ़ में गैरस्थान कार्यक्रम में आना हुआ, जिले में आगमन पर महेन्द्रगढ़ भाजपा नेता एवं पूर्व उपाध्यक्ष अमित भारद्वाज ने बाबा जय रामदास का स्मृति चित्र देकर के उनका स्वागत किया तथा साथ ही बाबा जयरामदास के पाली स्थित मंदिर में आने का निमंत्रण भी दिया। नशा मुक्ति अभियान को लेकर दल अभियान में गति देने के लिए आजादा हर संभव प्रयास करने का आश्वासन भी मुख्यमंत्री को दिया, बहुत लंबे समय से पाली कैंटीन विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर भी मुख्यमंत्री को अवगत करवाया। रैस्ट हाउस में रात को मुख्यमंत्री के साथ भोजन करने के बाद सभी साथी कार्यक्रमियों को भी मुख्यमंत्री से मिलवाया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल से विधायक ओमप्रकाश यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट राकेश शर्मा, आदित्य जोगिया, तन्मय भारद्वाज, दयाराम यादव आदि कार्यक्रमी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।



सीएम से मुलाकात करते अमित भारद्वाज।

बिजली कटौती से नोलपुर, शहबाजपुर व दोचाना डिस्ट्रीब्यूट्री की सप्लाई बाधित

बिजली निगम और सिंचाई विभाग तालमेल बनाकर करें नहरों की टेल तक पानी पहुंचाना सुनिश्चित: विधायक

हरिभूमि न्यूज ►► नांगल चौधरी

नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र की नोलपुर, शहबाजपुर व दोचाना डिस्ट्रीब्यूट्री में बिजली कटौती के कारण नहरी पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है। बिजली की पर्याप्त सप्लाई नहीं मिलने से पंप हाउस पूरी क्षमता से संचालित नहीं हो पा रहे हैं और नहरी पानी टेल तक नहीं पहुंचने की समस्या बनी हुई है। समाधान को

लेकर विधायक मंजू चौधरी ने नारनौल रैस्ट हाउस में बिजली निगम व सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की। जिसमें अधिकारियों को आपसी तालमेल बनाकर नहरी सप्लाई को सुचारु करने के निर्देश दिए गए।

विधायक ने कहा कि बारिश के दिनों में उत्तरी हरियाणा में नहरी पानी की मांग



नांगल चौधरी। रैस्ट हाउस में सिंचाई विभाग व बिजली निगम के अधिकारियों की बैठक लेती विधायक मंजू चौधरी। फोटो: हरिभूमि

अपेक्षाकृत कम रहती है। ऐसे समय में यदि अतिरिक्त पानी दक्षिणी हरियाणा के नांगल चौधरी क्षेत्र तक पहुंचाया जाए, तो इससे गांवों के जोहड़ भरे जा सकते हैं। इससे पशुओं के लिए पानी उपलब्ध होने के साथ ही भूजल स्तर को रिचार्ज करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों से नहरी पानी की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समन्वय से काम करने को

कहा। बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रत्येक पंप हाउस पर लगे ट्रांसफार्मरों और बिजली सप्लाई के लिए बिछाई गई तारों की स्थिति पर भी विचार किया।

विधायक ने बिजली निगम के अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से क्षमतावाना ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए। साथ ही जहां बिजली की जर्जर तारों के कारण सप्लाई बाधित हो रही है, वहां पुरानी तारों को

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए करें आवेदन

नारनौल। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ाकर अब 15 अगस्त तक दी गई है, पहले इसके अंतिम तिथि 31 जुलाई थी। इसके लिए वेबसाइट पर 15 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि यह पुरस्कार बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला एवं संस्कृति के क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि के लिए दिए जाते हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के प्रतिभाशाली एवं प्रेरणादायी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने की एक प्रतिष्ठित पहल है। उपायुक्त ने जिले के सभी विभागाध्यक्षों, विद्यालयों, संस्थाओं, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों से आह्वान किया है कि वे अपने क्षेत्र के प्रतिभाशाली एवं प्रेरक बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन तय समय पर सुनिश्चित करें, ताकि जिले के अधिक से अधिक बच्चों को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए नामित किया जा सके।

नलवाटी व दोहान पच्चीसी के गांवों में गंभीर पेयजल संकट

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि नहरी पाँडरों के ट्रांसफार्मरों की क्षमता कमजोर होने की शिकायत मिली है। बिजली निगम के अधिकारियों को चार ट्रांसफार्मर तुरंत प्रभाव से बदलने को कहा गया है। जिन लाइनों के तार जर्जर हो चुके, उन्हें बदले जाएंगे। उन्होंने बताया कि बारिश के सीजन में उत्तरी हरियाणा में नहरी पानी की डिमांड नहीं होती। इसलिए नांगल चौधरी के गांवों में जोहड़ भरने के साथ रिचार्ज प्लांटों तक पानी पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

प्राथमिकता के आधार पर बदलने को कहा। विधायक ने स्पष्ट किया कि नहरी पानी की सप्लाई को टेल तक पहुंचाना प्राथमिकता है। बिजली और सिंचाई विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल से कमियों को दूर करें, ताकि क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों तथा पशुपालकों को इसका सीधा लाभ मिल सके।



महेन्द्रगढ़। कार्यालय में बैठक करते हुए। फोटो: हरिभूमि

राव तुलाराम चौक से बालाजी चौक तक मार्ग का नाम होगा डॉ. श्यामा मुखर्जी

महेन्द्रगढ़। नगर पालिका हाउस की बैठक सोमवार को कार्यालय आयोजित हुई, जिसमें शहर के विकास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ड्रेनेज वाटर के निस्तारण की व्यवस्था करने तथा एक मार्ग का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि शहर में ड्रेनेज वाटर की समस्या को लेकर भी चर्चा हुई। बरखा के दौरान जलभराव और गंदे पानी के कारण लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए ड्रेनेज वाटर के उचित निस्तारण की व्यवस्था करने पर जोर दिया गया। शहर से बाहर ड्रेनेज वाटर को एकत्रित करने और उसके निस्तारण के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को हाउस ने मंजूरी दी। इससे शहर में जलभराव और गंदे पानी की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। बैठक में शहर के सुंदरीकरण को लेकर भी विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। शहर के प्रमुख स्थानों को बेहतर बनाने, स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था दुरुस्त करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्रों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाने पर चर्चा हुई। पाषाणों ने अपने-अपने वादों में विकास कार्यों की जरूरत और स्थानीय समस्याओं को हाउस के सम्मक्ष रखा। इन कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर करवाने तथा शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि नगर पालिका हाउस विधायक कंवर सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बजट की मांग करेंगी।

दो प्रमुख प्रस्तावों को मिली मंजूरी

बैठक में ड्रेनेज वाटर के निस्तारण के लिए शहर का गढ़ा पानी मोढ़ाश्रम के पीछे देवास रोड पर खाली जगह पर एकत्रित करना और राव तुलाराम चौक से बालाजी चौक तक मार्ग का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना प्रमुख निर्णय रहा। हाउस ने इन प्रस्तावों पर सहमति बनने के बाद नगर पालिका प्रशासन की ओर से आगामी कार्रवाई की जाएगी। इससे शहर में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

बी.पी.एड. (B.P.Ed.) में दाखिला आरंभ
पी.टी.आई. तथा डी.पी.ई. (शांतिरक शिक्षा निदेशक) के पद पर होगी नियुक्ति
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से मान्यता प्राप्त एवं इंडियन गैरी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी (IGU) से सम्बद्ध महापात्र प्रताप कालेज ऑफ़ एजुकेशन, धनीन्दा (बनारस - कर्नाट), जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) में सत्र 2026-28 हेतु बी.पी.एड. (B.P.Ed.) (डी.पी.ई. कोर्स) में दाखिला आरंभ हो गया है। बी.पी.एड. में प्रवेश हेतु स्नातक में 50% अंक तथा राज्य सरकार का खेल का प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। एस.सी. विद्यार्थियों को सरकार द्वारा छात्रवृत्ति दी जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी सीधे कॉलेज में दाखिला ले सकते हैं। तथा www.mpcokenania.com व कॉलेज फोन नं. **9467834482, 8053190428** पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। (Adv.)



आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी भारतीय महिलाएं कई मोर्चों पर खुद को आजाद महसूस नहीं कर पाती हैं। सशक्तिकरण के लिए बनाई गई सरकारी नीतियों, संवैधानिक अधिकार मिलने के बावजूद आज भी वे मानसिक जकड़बंदियों में कैद महसूस करती हैं। देश की आधी आबादी को पूर्ण आजादी की अनुभूति तभी हो सकती है, जब वह इसे अपने मन-जीवन के हर पहलू में महसूस करेगी।

सच्ची अनुभूतियों में बसे आजादी

आवरण कथा
डॉ. मौनिका शर्मा

हमारा देश आजाद है। हमारा संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है। मानवीय मोर्चे पर भी स्वतंत्र भारत के समाज में स्त्री-पुरुष समानता का भाव बढ़ा है। बावजूद इसके स्त्रियां मन से आजादी को नहीं जी पातीं। आज भी बहुत-सी महिलाओं के लिए स्वाधीनता जीवन का सहज रूप से जीया जाने वाला हिस्सा नहीं बन सका है। असल में परिवार और परिवेश के हालात ही नहीं, स्वयं महिलाओं का मन भी आजादी के खुशगवार रंगों को जीने में हिचकिचाता है। स्वतंत्र होने के सच्चे भाव-चाव को अपनाने में सकुचाता है। जाने-अनजाने स्त्रियों के विचार और व्यवहार परतंत्रता की अदृश्य परिधि में सिमटकर रह जाते हैं। एक चर्चित और सशक्त विचार है 'मजबूत स्त्रियां आजादी मांगती नहीं हैं, आजादी को जीती हैं।' ऐसे में जरूरी है कि देश की आधी आबादी, अपनी स्वतंत्रता के लिए किसी तरफ न देखे, पूरी सहजता और सच्ची अनुभूतियों संग अपनी आजादी को जीए। कहने का अर्थ है खुदमुखारी की उज्ज्वल रंगत खुलकर जीने की सोच ही महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास का सतरंगी उजास भर सकती है।

बेहिचक स्वीकारें बदलाव

स्त्रियों के जीवन में समय के साथ बदलने की रफ्तार थोड़ी कम होती है। उनकी जिंदगी का दायरा थोड़ा-सहमा ही रहता है। समझना जरूरी है कि बदलाव के इस मोर्चे पर बेहतरी लाने के लिए कोई बाहरी नियम-कायदे काम नहीं आ सकते। सरकार की पॉलिसीज दिल की दुनिया नहीं बदल सकतीं। स्त्रियों को खुद अपने आप को इस बेबसी के तयशुदा घेरे से बाहर लाना चाहिए। गौरतलब है, इस साल हमारा देश अपनी आजादी का 80वां उत्सव मनाने जा रहा है। आजादी के इतने वर्षों में समाज-



परिवार और रिश्तों-नातों से जुड़ी अनगिनत बातों-हालातों में बदलाव आने के बाद भी बहुत-सी स्त्रियां मन के बनाए खांचे से बाहर नहीं आ सकी हैं। भावनाओं की उठा-पटक और नपुन को स्वीकारने का भय आज भी उनकी जिंदगी में मौजूद रहता है। ऐसे में रहन-सहन से लेकर काम-काजी बनने या कुछ मन का करने तक, हर बदलाव को बेहिचक स्वीकारने की सोच बेहद जरूरी है। चर्चित अमेरिकी लेखक हंटर स्ट्रॉकटन थॉम्पसन के मुताबिक, 'स्वतंत्रता एक ऐसी चीज है, जिसका उपयोग नहीं किया जाए तो यह मर जाती है।'

कीजिए खुद को आजाद

महिलाओं के लिए अपनी स्वतंत्रता को सहजता से जीने के लिए अपने मन के बनाए बंधन भी तोड़ने होंगे। सामाजिक-पारिवारिक परिवेश के बरसों से चले आ रहे दबावों और बंदिशों से मुक्त होकर अपनी पर्सद को प्राथमिकता देनी होगी। अपनी योग्यता को निखारना होगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना होगा। हर डर और हर उलझन से बाहर आकर अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने की राह पकड़नी होगी। असल में भारतीय समाज

की रूपरेखा ही ऐसी है कि पहले से बने सामाजिक सांचे ही नहीं, खुद महिलाओं के मन के खांचे भी उन्हें बांधे रखते हैं। दिल की बात कहने से रोकते हैं। उनकी अपनी संवेदनाएं ही बेहिचक अपनी बेहतरी का रास्ता चुनने में बाधा बनती हैं। हमारे यहां स्त्रियां अपने दायित्वबोध के भाव के लिए भी बहुत मान पाती हैं। जरूरी यह है कि यह जवाबदेही आपके अपने जीवन की जहोजहद न बढ़ाए। हर मामले में दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार खुद को ढालने के बजाय अपनी सच्ची भावनाओं को जीना ही आजाद होना है। याद रहे, आपके मन की स्वतंत्र अनुभूतियां भीतर की भावनात्मक दुनिया का सच्चा आईना होती हैं। जिसमें सामाजिक नियमों, रूढ़िवादी विचारों, परंपरागत बंधनों और तयशुदा दायित्वों से दूर अपने अस्तित्व, सपनों और संवेदनाओं का प्रतिबिंब दिखाता है। अपने इस आंतरिक साए को हर दबाव से आजाद कीजिए।



भावनात्मक मोर्चे पर संतुलन साधिए

आज भी बहुत-सी स्त्रियां अपनी भावनाओं को दबाकर औरों की सहजता के मुताबिक जीती हैं। यह बनावटी बर्ताव बाहरी व्यक्तित्व के रंग तो छीनता ही है, मन को भी अशांत रखता है। यही वजह है कि अपनी सच्ची अनुभूतियों में बसी आजादी को जीने के लिए इमोशनली बेलेंस रहना बेहद जरूरी है। घर हो या बाहर, भावनाओं की स्वायत्तता सबसे जरूरी है। अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और सोच-समझ का एक स्वतंत्र संसार बसाना हर स्त्री के लिए आवश्यक है। देखने में आता है कि मन हो या जीवन, भावनाओं में बहना महिलाओं को पराधीन ही बनाता है। भावनाओं में बहने के बजाय व्यावहारिक सोच अपनाने से अपने अधिकार हासिल करने की सजगता आती है। अपने अस्तित्व की चेतना को बल

मिलता है। स्वतंत्र होने के यही सही मायने हैं। अमेरिकी गायक और गीतकार जिम मोरिसन के शब्दों में 'स्वतंत्र होने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका वह होना है, जो आप वास्तव में हैं। अगर किसी एक भूमिका के लिए आप अपनी वास्तविकता को छोड़ते हैं। एक खास काम के लिए अपनी भावनाओं

से दूरी बनाते हैं। महसूस करने की अपनी क्षमता छोड़कर एक मुछोटा पहन लेते हैं, तो यह आजादी नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर व्यक्तिगत क्रांति हुए बिना बड़े पैमाने पर कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। इस रेवोल्यूशन को पहले आपके अंदर होना होगा। हर स्त्री को यह समझना चाहिए और अपने जीवन में उतारना चाहिए।

विचार

आधी आबादी को ऐसे मिलेगी पूरी आजादी

अपने देश को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं। इतना वक्त बीतने के बाद भारतीय महिलाओं के संदर्भ में आजादी के क्या मायने हैं? वे कौन से सामाजिक, राजनैतिक कारण हैं, जिससे देश की महिलाएं संपूर्ण आजादी से अभी भी वंचित हैं? महिलाएं संपूर्ण आजादी हासिल करने के लिए स्वयं किस तरह के प्रयास या संघर्ष करें, जिससे उनका बहुमुखी विकास हो? अलग-अलग क्षेत्रों की दो जानी-मानी महिलाएं सहेली से साझा कर रही हैं अपने विचार।

सामर्थ्य और चेतना से मिलेगी पूरी आजादी सूर्यबाला, साहित्यकार



आजादी की बात करने से पहले आजादी का मतलब समझना होगा। आजादी का मतलब अनियंत्रित उच्छृंखलता या अनुशासनहीनता नहीं है। स्त्रियों के संदर्भ में बात करें, तो स्त्री की आजादी का यह भी तात्पर्य नहीं है कि जो-जो पुरुष कर रहा है, वह सब स्त्री भी करे। आजादी हमारा संवैधानिक अधिकार तो है ही! साथ ही यह हमारी संवेदना की चीज है। यह हमारी सोच और समझ से जुड़ी है। सोच-समझ बदलने से ही वास्तविक आजादी प्राप्त होगी। भारतीय समाज का जो ढांचा है, उसमें महिलाओं को वो सुविधाएं मिलें, जिसमें वो अपने मन मुताबिक काम कर सकें। स्त्री की संवेदनाओं को, उसकी आकांक्षाओं को, उसके मन को, उसके श्रम को श्रम का सही मूल्यांकन हो। समाज, परिवार उसके महत्व को समझें। उसको सुविधाएं दें। यही महिलाओं के लिए आजादी का सही तात्पर्य है। यदि आज की स्त्री की तुलना हम तीस-चालीस साल पहले की स्त्रियों से करें तब हमें समझते देर न लगेगी कि आज की स्त्री कितनी आजाद है। यह भी समझ आएगा कि स्त्री अपनी आजादी का कितना सदुपयोग व कितना दुरुपयोग कर रही है। मेरे विचार से स्त्री आजादी का जो प्रश्न है, वह कानूनी और संवैधानिक कम और नैतिक-सामाजिक ज्यादा है। पुरुष जब अपनी सोच में उदार होगा तभी स्त्री को उसकी अपेक्षित आजादी मिल पाएगी। हम दशकों से दहेज प्रथा हटाने की बातें कर रहे हैं। लेकिन आज भी यह प्रथा जस की तस कायम है। इसका कारण है हमारा चारित्रिक पतन। इधर कुछ घटनाएं ऐसी घटी हैं, जिनसे स्त्रियों के भी क्रूर रूप को दिखाया है। तो कुल मिलाकर समाज का चारित्रिक पतन हुआ है। जो स्त्री की आजादी में बाधा है। आज की स्त्री अपने प्रकृति प्रदत्त गुणों को छोड़कर पुरुष के गुण-अवगुण को अपना रही है। स्त्री पर तो खुद पुरुष को बनाने की जिम्मेदारी है। वह पुरुष भी स्त्री की संरक्षिका है। अपने गुणों को छोड़ देगी तो कैसे होगा? स्त्रियों की असली आजादी केवल कानून बनाकर या जबरदस्ती नहीं हासिल की जा सकती। वास्तविक सामर्थ्य और वास्तविक चेतना हासिल करके ही यह आजादी पाई जा सकती है। समाज के प्रति, अपने प्रति, परिवार के प्रति, साथ रहने वालों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की चेतना जागृत होनी चाहिए। हमें सबकी भावनाओं, जरूरतों का भी ध्यान रखकर चलना होगा। सबका सम्मान करना होगा तभी परिवार समाज और विश्व चल पाएगा।

अभी आजादी की लंबी यात्रा तय करनी है

डॉ. रीता गंगवानी (रिटायर्ड लेफ्टिनेंट) पर्सनालिटी ग्रूनिंग एक्सपर्ट

मेरे लिए आजादी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की क्षमता है। आज भारतीय महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि शहरों और गांवों, पढ़ी-लिखी और वंचित महिलाओं के बीच बड़ा अंतर कायम है। इसलिए मैं कहूंगी कि महिलाओं ने आजादी की ओर लंबी यात्रा तय की है, लेकिन मंजिल तक पहुंचना अभी बाकी है। हमारा संविधान महिलाओं को समान अधिकार देता है, लेकिन असली बदलाव सोच बदलने से आती है। आज भी कई परिवारों में बेटियों और बेटों के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाते हैं। कई महिलाएं योग्य होने के बावजूद केवल इसलिए पीछे रह जाती हैं, क्योंकि उन्हें अवसर या समर्थन नहीं मिलता। कई बार महिलाएं अपनी क्षमता को कम आंकती हैं। वर्र्ण से बनी सामाजिक धारणाएं उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं। मेरा मानना है कि जब परिवार, समाज और व्यवस्था, तीनों मिलकर महिलाओं पर विश्वास करेंगे, तभी वास्तविक आजादी का सपना पूरा होगा। महिलाएं शिक्षा को अपनी ताकत बनाएं। संवाद कौशल, आर्थिक समझ, डिजिटल ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुण भी विकसित करें। महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी बहुत आवश्यक है। महिलाओं के संदर्भ में स्वतंत्र भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब हर बेटी यह विश्वास लेकर बड़ी हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। जिस दिन हर महिला बिना डर, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ अपनी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग कर पाएगी, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे।



प्रस्तुति: सरस्वती रमेश, अंशु सिंह

रेसिपी
प्रतिभा अग्निहोत्री

हरियाली तीज (15 अगस्त) के मौके पर हम आपको बता रहे हैं, कुछ स्पेशल मीठे-चटपटे व्यंजनों की रेसिपी। इन्हें बनाइए और परिवार के संग हरियाली तीज करें सेलिब्रेट।

हरियाली तीज पर बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन माल पुआ



सामग्री

(घोल के लिए) मैदा-1 कप, सूजी-1/4 कप, दूध-1/2 कप, पानी-1/2 कप, चीनी-1 टीस्पून, दरदरी कूटी सौंफ-1/2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, ताजा दही-1 टेबल स्पून, तलने के लिए-घी या तेल (चाशनी के लिए) चीनी-1 कप, पानी-1/2 कप, इलायची 3-4, केसर के धागे-6

बेड़नी पूरी

सामग्री

गेहूं का आटा-2 कप, सूजी-1/4 कप, तेल-2 टीस्पून, धुली उड़द दाल-1/2 कप, अदरक-1 छोटी गांठ, हरी मिर्च-3, सौंफ दरदरी पिसी-1/4 टीस्पून, जीरा-1/4 टीस्पून, हींग-1 चुटकी, लाल मिर्च पावडर-1/2 टीस्पून, हल्दी पावडर-1/4 टीस्पून, गरम मसाला-1/2 टीस्पून, नमक-1 टीस्पून, मोयन के लिए तेल-1 टीस्पून, तलने के लिए तेल-आवश्यकतानुसार

फूट रायता



विधि

रात भर भीगी हुई दाल को हरी मिर्च और अदरक के साथ मिक्सी में पल्प मोड पर बिना पानी के पीस लें। अब आटे में सूजी, पिसी दाल, सभी मसाले और मोयन अच्छी तरह मिलाएं। धीरे-धीरे मसलते हुए आटे को पूरी जैसा सख्त गूंथ लें। आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। तैयार आटे को सूती कपड़े से ढंककर 20 मिनट के लिए रख दें। 20 मिनट के बाद छोटी सी लोई लेकर पूरी बेलें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलकर बटर पेपर पर निकाल लें, फिर आलू की सब्जी के साथ सर्व करें।

सामग्री

हंग कर्ड (गाढ़ा या चक्का दही)-2 कप, मोटे-कटे फल-2 कप (सेब, केला, आम, अंगूर, अनार), बारीक कटी मेवा-1 टेबल स्पून, चीनी-2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, गार्निशिंग के लिए पुदीने की पत्तियां-4

विधि

दही को भली-भांति फेंट लें ताकि गुठली न रहे। अब इसमें चीनी, इलायची पावडर, कटे फल और कटी मेवा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। सर्विंग बाउल में डालकर पुदीने की पत्तियों से गार्निश करके सर्व करें।

आस्था
आर. सी. शर्मा

सावन की मनोहारी ऋतु में मनाया जाने वाला हरियाली तीज, भारतीय पर्व-संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक व्रत-पर्व भर नहीं, बल्कि प्रकृति, दांपत्य प्रेम, नारी-शक्ति और सामाजिक मेल-मिलाप का भी उत्सव है। यह पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष आगामी 15 अगस्त को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा।
धार्मिक मान्यता: हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक जन्मों तक कठोर तपस्या की थी। उनके अटूट संकल्प और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन मिलन की स्मृति में हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की दिव्य क्रांति के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं अविवाहित युवतियां योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए माता पार्वती की आराधना

हेयर स्टाइल
नैसी गुला

हरियाली तीज के दिन महिलाएं पारंपरिक तौर पर सजती हैं। साड़ी, लहंगा या सूट के साथ मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी और गहनों से अपने लुक को सजाती हैं। लेकिन आकर्षक हेयर स्टाइल के बिना कोई भी फेस्टिव लुक अधूरा लगता है। सही हेयर स्टाइल न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है, पूरे एथनिक लुक को भी निखार देती है।

फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन: जिन महिलाओं के बाल पतले हैं, वे फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन बना सकती हैं। इससे बाल अधिक घने दिखाई देते हैं और चेहरे को भी आकर्षक फ्रेम मिलता है। यह हेयर स्टाइल गोल और ओवल



हरियाली तीज ऐसा बहुरंगी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व है, जिसमें अखंड दांपत्य की कामना के साथ शिव-शक्ति की व्रत-पूजा की जाती है। देश के कई प्रदेशों में यह पर्व पूरे विधि-विधान और सांस्कृतिक उल्लास से मनाया जाता है।

हरियाली तीज: अखंड दांपत्य की कामना-उल्लास का पर्व



करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, सम्पन्न, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है।
कई प्रदेशों में मनाते हैं पर्व: हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व

करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, सम्पन्न, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है।
कई प्रदेशों में मनाते हैं पर्व: हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व

करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, सम्पन्न, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है।
कई प्रदेशों में मनाते हैं पर्व: हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व



एसेसरीज लगाई जा सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक होने के साथ-साथ फोटोजेनिक भी लगता है और पूरे दिन मटेन रहता है।
साँफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर

के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। पूजा के बाद महिलाएं तीज की कथा सुनती हैं, आरती करती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं। इसके साथ ही झूला झूलना, लोकगीत गाना, सामूहिक नृत्य करना और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा है।
बदलते समय में हरियाली तीज: आज केवल गांव-कस्बों में ही नहीं शहरों-महानगरों में भी हरियाली तीज का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, महिला मंडल और सांस्कृतिक संगठन तीज महोत्सव आयोजित करते हैं। इनमें मेहंदी प्रतियोगिता, लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डिजिटल युग में भी इस पर्व की आत्मा वहीं है- परिवार, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान। साथ ही अब ज्यादातर संरक्षण का संदेश भी इस पर्व से जोड़ा जा रहा है। कई स्थानों पर तीज के अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, जिससे 'हरियाली' का वास्तविक अर्थ केवल प्रतीकात्मक न रहकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प भी सिद्ध होता है। हरियाली तीज का यह पर्व केवल व्रत और पूजा का दिन नहीं, बल्कि जीवन में धैर्य, सम्पन्न, विश्वास और प्रकृति के प्रति कुतज्ञता का संदेश देने वाला उत्सव भी है।

हरियाली तीज पर कैरी करें ये एलिगेंट हेयर स्टाइल

दोनों तरह के फेस शेप पर अच्छा लगता है। इसके साथ हल्के झुमके और बिंदी आपके लुक को और निखार दें।
गजरे वाला लो बन देगा रॉयल लुक: हरियाली तीज पर सबसे पसंदीदा हेयर स्टाइल लो बन है। इसे बनाकर उस पर मींगरा या चमेली का गजरा लगाया जाए तो लुक शाही और पारंपरिक दिखाई देती है। यह हेयर स्टाइल साड़ी, सिल्क सूट और बनारसी लहंगे के साथ खूब जंचता है। लंबे समय तक कंफर्टबल भी रहता है।
फिशटेल-साइड ब्रेड से मिलेगा एलिगेंट लुक: लंबे बालों वाली महिलाओं के लिए फिशटेल ब्रेड या साइड ब्रेड बेहतरीन विकल्प है। इस चोटी को हल्का लूज रखते हुए उसमें छोटे फूल या स्टोन हेयर



एसेसरीज लगाई जा सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक होने के साथ-साथ फोटोजेनिक भी लगता है और पूरे दिन मटेन रहता है।
साँफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर

स्टाइल: यदि आप पारंपरिक और मॉडर्न लुक का संतुलन चाहती हैं, तो साँफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइल अच्छा विकल्प है। बालों के ऊपरी हिस्से को हल्के टिविस्ट या छोटी चोटी के साथ पिनअप कर दें और बाकी बाल खुले रखें। इस स्टाइल पर छोटे फूल या पलं हेयर एसेसरीज लगाने से लुक और आकर्षक बन जाता है।
फ्लोरल ब्रेड: आजकल फ्लोरल ब्रेड काफी ट्रेंड में है। साधारण चोटी में छोटे-छोटे ताजे फूल या आर्टिफिशियल फ्लोरल एसेसरीज लगाकर उसे नया और खूबसूरत रूप दिया जा सकता है। यह हेयर स्टाइल खासकर युवा महिलाओं और नई नवेली दुल्हनों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।
(ब्यूटी एवं हेयर एक्सपर्ट पूजा नागपाल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

बेवल के योग वेदान्त आश्रम में चढ़ाई कांवड़

महेंद्रगढ़। गांव बेवल के योग वेदान्त आश्रम में स्थित मनोकामना सिद्धि मंदिर में शिवरात्रि के पावन पर्व पर हरिद्वार से कांवड़ लाकर चढ़ाई गई। इस अवसर पर गांव के अनेक शिवभक्तों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया व पूजा-अर्चना की। शिवभक्तों में बड़ी श्रद्धा, उमंग व उत्साह था। भगवान शिव के जयकारों की गुंज के साथ वे नृत्य भी कर रहे थे। हरिद्वार से गंगाजल भरकर कांवड़ लाने वाले हीरालाल उर्फ पप्पू, दीपक उर्फ खारिया, बलवान उर्फ बिल्लू ने 350 किलोमीटर दूरी की पदयात्रा कर रात्रि के समय मनोकामना सिद्धि मंदिर में पड़ाव किया तथा प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में स्नान ध्यान कर शिवालये में गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

स्लम एरिया के बच्चों के लिए चेकअप कैंप लगाया

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली के निदेशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से स्लम एरिया में रहने वाले बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए कैंबर धर्मशाला एवं मोड़ावाला मंदिर में मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया। शिविर के दौरान स्लम क्षेत्र के 51 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने बच्चों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ बच्चों को दैनिक स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति भी जागरूक किया गया।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. रामबाबू यादव नारनौल प्रवास पर रहे। संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राहक हितों के संरक्षण के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने व अधिक से अधिक लोगों को ग्राहक पंचायत से जोड़ने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. रामबाबू यादव, डॉ. दिनेश शर्मा, केके शर्मा एडवोकेट व संगठन के सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन धीरंज भयाना व रजनी भयाना ने किया। अध्यक्ष डॉ. आरबी यादव ने कहा कि जागरूक व संगठित ग्राहक ही अपने अधिकारों



नारनौल। पौधरोपण करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

की प्रभावी ढंग से रक्षा कर सकता है। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि आज के समय में ग्राहक को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। जिला समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण वस्तु व सेवाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल शिकायतों का समाधान करवाना नहीं, बल्कि समाज में जागरूक, जिम्मेदार और

अधिकारों के प्रति सजग ग्राहक संस्कृति विकसित करना है। शाखा सचिव पवन अरोड़ा ने कहा कि सदस्यता अभियान को जिले के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा। डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज व कृष्ण शर्मा ने कहा कि ग्राहक पंचायत उपभोक्ता हितों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों की भी प्राथमिकता देती है। इस मौके पर राकेश शर्मा, नरोत्तम सोनी, डॉ. विपिन गौड़, भीमसेन शर्मा, राघव आदि मौजूद थे।



नांगल चौधरी। पौधरोपण करते थाना प्रभारी पवन कुमार व पुलिस कर्मचारी।

पौधरोपण कर लिया देखभाल का संकल्प
नांगल चौधरी। पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से थाना परिसर में पौधरोपण किया गया। थाना प्रभारी पवन कुमार ने कदम का पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने स्टाफ कर्मचारियों को पौधों की निर्यात देखभाल कर पेड़ बनाने का दायित्व सौंपा। थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और बढ़ते पर्यावरण के बीच अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की जरूरत है। हर व्यक्ति यदि अपने घर, खेत, कार्यालय और आसपास के सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाए और उनकी देखभाल करें, तो पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दिया जा सकता है।

एसडीएम ने किया स्कूलों का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचावास व राजकीय माध्यमिक विद्यालय नांगल हरनाथ का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में मिड डे मील, शैक्षणिक वातावरण, विद्यार्थियों की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छता, सुरक्षा तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। एसडीएम योगेश सैनी ने विद्यालय में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कक्षाओं, स्वच्छ पेयजल, शौचालयों से संबंधित व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। एसडीएम ने अध्यापकों



नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने की अपील

एसडीएम ने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों के समूहिक प्रयास से ही विद्यार्थियों का उच्चतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने विद्यालय प्रमुख से छात्रों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में कमी पूरे समाज को प्रभावित करती है। एक शिक्षक और विशेष रूप से किसी संस्थान का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति यदि अपनी जिम्मेदारी पूरी न निभाए, तो उसका असर पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है।

से कहा कि सरकार का उद्देश्य बेहतर परिणाम देने के साथ साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सकारात्मक, सुरक्षित और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण

पीड़ित परिवार को 50 लाख मुआवजा व सरकारी नौकरी दे सरकार वीरू वाल्मीकि हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन, दोषी को फांसी देने की मांग



नारनौल। विरोध प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी।

फोटो: हरिभूमि

इन्होंने की अध्यक्षता
प्रदर्शन की अध्यक्षता आंदोलन एवं हड़ताल के पांचवें दिन भूपेंद्र सिंह तथा अग्निशमन विभाग की इकाई के प्रधान गुरदयाल शर्मा ने की। इस अवसर पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सांगलिया, पूर्व सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बौराव, नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान राहुल सरवन, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल यादव तथा नगर पालिका कर्मचारी संघ के महासचिव महेंद्र दायमा ने कहा कि जब तक सरकार कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों से किए गए समझौते को लागू करने के साथ-साथ कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की दिशा में भी ठोस कदम उठाने चाहिए। मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में आंदोलन और हड़ताल को आगे बढ़ाया जाएगा।

अग्निशमन विभाग के शहीद कर्मचारियों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी उठाई गई।

कर्मचारी नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने समय रहते उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

हड़ताल को समर्थन
कर्मचारी नेताओं ने 11 अगस्त से बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा प्रस्तावित हड़ताल का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका कर्मचारी संघ और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी बिजली कर्मचारियों के आंदोलन में पूरा सहयोग करेंगे।

इन्होंने लिया भाग
प्रदर्शन में सोनू, कृष्ण कुमार, विनोद, दिनेश कुमार, प्रदीप कुमार, सुरेश कुमार, राम सिंह, शैलेन्द्र, रविकांत, सुनील, हवा सिंह, ईंद्र कुमार, अंशोक कुमार, लीलाराम, सुभाष चंद, देवानंद, संतलाल, राजेश कुमार, राजू, राजाराम, अमित, नरेंद्र कुमार, नीरज कुमार, कमल, विक्रम सिंह, दीपक कुमार, सुरेंद्र कुमार, अमन कुमार, नाथुराम, भीम सिंह, निरंजन लाल, महावीर प्रसाद, दौलत राम सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नारनौल में हाफ मैराथन कार्यक्रम के दौरान शहर की व्यवस्थाओं में जुटे नगर परिषद के सफाई कर्मचारी अब दोबारा आंदोलन की राह पर लौट आए हैं। पिछले तीन-चार दिनों की अपेक्षा सोमवार को कर्मचारियों की संख्या अधिक रही और धरना-प्रदर्शन में बड़ी भीड़ दिखाई दी।



नारनौल। मंदिर ट्रस्ट की मीटिंग में भाग लेते पदाधिकारीगण। फोटो: हरिभूमि

सीए पंकज गर्ग बने श्री सीताराम शिव मंदिर ट्रस्ट के उपप्रधान

ये रहे मौजूद
श्री सीताराम शिव मंदिर ट्रस्ट नई मंडी कार्यकारिणी की बैठक

श्री सीताराम शिव मंदिर ट्रस्ट नई मंडी कार्यकारिणी की बैठक प्रधान बन्नी प्रसाद गर्ग की अध्यक्षता में मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत मंदिर के उपप्रधान स्वर्गीय ओमप्रकाश तायल एवं भूतपूर्व कैशियर स्वर्गीय पदम चंद गर्ग की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई।

इसके बाद मंदिर के कोषाध्यक्ष पंकज बंसल ने 31 मार्च 2026 तक का आय-व्यय का लेखा-जोखा कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसका उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। बैठक में मंदिर ट्रस्ट के उपप्रधान पद पर मनोनयन को लेकर सदस्यों ने प्रस्ताव रखा।

प्रधान बन्नी प्रसाद गर्ग ने प्रमुख समाजसेवी एवं सीए पंकज गर्ग के नाम का प्रस्ताव उपप्रधान पद के लिए रखा। प्रस्ताव पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सहमति जताते हुए

पंकज गर्ग को सर्वसम्मति से ट्रस्ट का उपप्रधान मनोनीत किया।

इस अवसर पर संरक्षक सतनारायण गुप्ता ने कहा कि पंकज गर्ग कर्मठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उनके मंदिर कमेटी से जुड़ने से मंदिर के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को और गति मिलेगी।

महासचिव जीतू कंछल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 4 सितंबर को मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर विशेष आरती की जाएगी तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

रोटरी क्लब सिटी व बेलाज ने मनाया तीन महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

रोटरी क्लब सिटी एवं बेलाज की ओर से हरियाली तीज के उपलक्ष्य में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें जिला जेल पुलिस अधीक्षक संजय बांगड़ सपत्नीक मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं सेठ दुलीचंद संघी चैरिटेबल ट्रस्ट चेन्नई वाले सुरेश संघी की पत्नी कामिनी संघी ने भी विशेष रूप से कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

प्रधान गोपाल मित्तल ने पटका पहनाकर मुख्यातिथि का स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक संजय बांगड़ ने कहा कि रोटरी क्लब सिटी विभिन्न सामाजिक सरोकार के साथ देश की सांस्कृतिक विरासत को भी अपने में समेटे हुए है। कार्यक्रम के दौरान बेलाज की प्रधान



नारनौल। तीज उत्सव में भाग लेती महिलाएं।

फोटो: हरिभूमि

वे रहे मौजूद
इस मौके पर गोपाल मित्तल, एडवोकेट राजकुमार यादव, नरेश गोंगिया, विजय जितल, विनोद चौधरी, संजय गर्ग, हितेश वर्मा, राजकुमार चौधरी, विनय मित्तल, डॉ. हमफ्रस रावत, देवेंद्र गर्ग, नवीन गुप्ता, मधुर गर्ग, पवन यादव, दिनेश सांखला, हितेंद्र शर्मा, हितेंद्र मित्तल, पवन गुप्ता, एडवोकेट अनिल गुप्ता, दिनेश गोयल एडवोकेट, रेनु मित्तल, नीलम चौधरी, सारिका गर्ग, गीतांजलि चौधरी, निर्मल जितल, गीता गोयल, मुकेश देवी, निधि वर्मा, मोनिका गुप्ता, पूजा गर्ग, संगीता शर्मा, पूनम चौधरी, रेखा रावत, विधि मित्तल, सुचेता गोंगिया आदि उपस्थित रहे।

डॉ. उषा यादव के सानिध्य में महिलाओं ने बॉल पकड़ो, सिर पर ग्लास संभालना, मनोरंजक सवालों के जवाब, तीज के पारंपरिक गीतों

पर डांस सहित अनेक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तीज गीतों पर महिलाओं ने सामूहिक नृत्य कर सबका मन मोह लिया।



नारनौल। गोशाला में लेकर आए नंदी।

फोटो: हरिभूमि

नरुल सुधार के लिए नंदी गोशाला में लाए
नारनौल। श्रीअनाथ गोशाला में शिवरात्रि के पावन पर्व की पूर्व संस्था पर जयप्रकाश यादव नवादा फतेहपुर गुडगांव ने एक देशी नरुल का नंदी महाराज शंकर बरवाला से लाया गया। जिसकी मां देशी भाय के नीचे 22 लीटर दूध था। देशी भाय की नरुल सुधार के लिए गोशाला के मुख्य संरक्षक जयप्रकाश यादव मांदी के हाथों सुपुर्द किया गया। सर्वप्रथम दोल नगाड़े से नंदी महाराज को लाया गया। प्रजेण शस्त्री नहारपुर गुडगांव व गोशाला सचिव खेमचंद शर्मा ने संयुक्त रूप से राजमान से नंदी महाराज का पूजन व संकल्प करा आरती की। गोशाला संरक्षक सुनील यादव नांगलिया ने बताया कि नंदी महाराज से भायों की नरुल सुधार में बहुत बड़ी भागीदारी होगी। प्रधान उज्जान पाल ने बताया कि नरुल सुधार के साथ आने वाली नई नरुल की बछियों से दूध में भी बढ़ोतरी होगी। इस मौके पर कोषाध्यक्ष संतोष, रामसिंह बाबा, दलीप यादव, मुकेश वालिया, बीरसिंह फौजी, सुरेंद्र मुनीन उपस्थित थे।

आज बेटियां हर आयाम में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही: कृष्ण कुमार

पूनम और काजल का एचपीएससी में चयन

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

राजकीय महाविद्यालय के भूगोल विभाग की दो होहार बेटी पूनम कुमारी व काजल रानी का हरियाणा पब्लिक सिलेक्शन कमीशन की ओर से सहायक प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार व भूगोल विभाग के स्टाफ सदस्यों ने पूनम कुमारी व काजल रानी को सम्मानित किया और मिठाइयां खिलाकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य कृष्ण कुमार ने बताया कि बेटियां



नारनौल। छात्राओं के साथ कॉलेज स्टाफ।

फोटो: हरिभूमि

राष्ट्र का भविष्य तय करेंगी, आज बेटियां हर आयाम में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।

बेटियां ही राष्ट्र का निर्माण करेंगी। उन्होंने भूगोल विभाग के सभी स्टाफ सदस्यों की प्रशंसा करते

हुए कहा कि भूगोल विभाग लगातार शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। महाविद्यालय प्रेस प्रवक्ता व भूगोल विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि

भूगोल विभाग में स्टाफ की कमी दूर हुई
उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में अलग-अलग विषयों के नवचयनित एसिस्टेंट प्रोफेसर व भूगोल विभाग में छह बचे एसिस्टेंट प्रोफेसरसं ने उजाड़न करने से भूगोल विभाग में स्टाफ की कमी दूर हुई है। वहीं लंबे समय से महाविद्यालय में खाली चल रहे पदों के भरने से महाविद्यालय के अकादमिक स्तर को बलि मिलेगी। इस अवसर दोनों बेटियों पूनम कुमारी व काजल ने उपलब्धि का श्रेय अपने गुरु जनों व माता-पिता को दिया। इस मौके पर भूगोल विभाग के प्रो. सुभाष चन्द्र, प्रो. राहुल शर्मा, प्रो. चंद्रशेखर, प्रो. अर्पित, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. नीतू, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. पूनम आदि स्टाफ सदस्यों ने दोनों बेटियों को के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महाविद्यालय का भूगोल विभाग हरियाणा का सबसे बड़ा व प्राचीन विभाग रहा है। भूगोल एक अंतः विषय और व्यापक क्षेत्र है, जो देश और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में

कुशल विशेषज्ञ तथा नेतृत्वकर्ता प्रदान करता है। भूगोल विभाग लगातार शैक्षणिक सांस्कृतिक और वैज्ञानिक उतरोतर उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है।

सीएम के कार्यक्रम के बाद शहर के कई इलाकों में बिजली संकट

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

मुख्यमंत्री के नारनौल दौरे के दौरान बिजली की सुदृढ़ आपूर्ति व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सक्रियता के बाद अब उनके जाते ही शहर के कई इलाकों में बिजली संकट की तस्वीर सामने आने लगी है। हड्डा सेक्टर-एक में पिछले तीन-चार दिनों से हाई वोल्टेज लाइन में बार-बार शॉर्ट सर्किट होकर आग लगने की घटनाएं हो रही हैं, जबकि फौजदार कॉलोनी में ट्रांसफार्मर की खराबी और फेस-टू-फेस तेज वोल्टेज के कारण लोगों के लाखों रुपये के बिजली उपकरण जल गए। दूसरी ओर पुरानी सराय की छाबड़ा वाली



नारनौल। सेक्टर एक के खंभों पर चढ़ी बेल, जिससे होती है स्पार्किंग।

गली में स्ट्रीट लाइट का तार टूटकर

खबर संक्षेप

डीसी ने अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

नारनौल। लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त अनुपमा अंजली ने 70 नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने के कई निर्देश दिए। उपायुक्त ने मौके पर ही अधिकांश समस्याओं का निपटारा कराया तथा शेष शिकायतों पर अधिकारियों को प्रार्थयिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के आदेश दिए। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी नागरिक को प्रशासनिक कार्यों से संबंधित कोई परेशानी है, तो वे निस्कंकोच इन शिविरों में आकर अपनी बात रख सकते हैं।

तीन दिवसीय गीता सत्संग पर हुई बैठक

नारनौल। श्रीकृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार की ओर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय गीता सत्संग की तैयारियों का जायजा लेने के बाद संस्था के कार्यालय अहूजा क्लॉनिक पर बैठक का आयोजन किया गया। संस्था के संरक्षक डॉ. अशोक आहूजा ने अध्यक्षता करते हुए बताया कि गीता मनीष स्वामी ज्ञानानंद महाराज के साधन में तीन दिवसीय सत्संग की तैयारी पूरी कर ली गई है। सत्संग 11, 12 व 13 अगस्त शाम छह बजे से 8:30 बजे तक सीएल फार्म में किया जाएगा। संस्था के प्रधान सुरेंद्र यादव ने शहर वासियों से निवेदन किया की श्रीमद्भगवत गीता में प्राणी मात्र का कल्याण निहित है।

नया सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी

कनीना। नगर पालिका कर्मचारियों ने सोमवार को भी हड़ताल जारी रखी। शाखा प्रधान अनिल कुमार ने कहा कि नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर प्रदेश में नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल की जा रही है। कच्चे कर्मचारियों को पकवा करने जैसी मांगों को लेकर कर्मचारियों की ओर से कामकाज ठप कर विरोध जताया जा रहा है। नगर पालिका मुख्य गेट के पास इकट्ठा होकर विरोध जताया।

कांवड़ सेवा शिविर सम्पन्न

कनीना। क्षेत्र में आयोजित विशेष कांवड़ सेवा शिविर का सोमवार को विधिवत समापन कर दिया गया। शिविरों में कांवड़ियों के लिए निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। सुरेंद्र यादव ने बताया कि शिविरों में शिवभक्तों को शुद्ध व सात्विक भोजन, व्रत का आहार, ताजे फल, चाय, जूस व नींबू पानी के अलावा चिकित्सा सहायता भी प्रदान की गई। विभाग के लिंगा पुरुषों व महिलाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फोन : 8295738500, 9253681005

सेक्टर-एक में रोज शॉर्ट सर्किट से आग, फौजदार कॉलोनी में तेज वोल्टेज से लाखों के उपकरण जले शहर में गहराने लगा बिजली संकट, करंट और आगजनी के खतरे में लोग

पुरानी सराय की छाबड़ा वाली गली में टूटा स्ट्रीट लाइट का तार, हादसे का खतरा

पुरानी सराय की छाबड़ा वाली गली में स्ट्रीट लाइट का तार टूटने से लोगों में भय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टूटा तार जान-माल के लिए खतरा बन सकता है, विशेषकर बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने नगर परिषद के ईओ और डीएमसी से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर टूटे तार को दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि किसी संभावित हादसे को टाला जा सके।

लटक रहा है। ऐसे में लोगों में बिजली संकट के साथ-साथ करंट और आगजनी का खतरा भी बना हुआ है। जानकारी के अनुसार हड्डा सेक्टर-एक में जिला बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट संतोख सिंह, एडवोकेट रवि शंकर भारद्वाज, डॉ. पाल और प्रवीण

बंसल के घरों के नजदीक पिछले तीन-चार दिनों से हाई वोल्टेज सप्लाई में बार-बार शॉर्ट सर्किट होकर आग लग रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार रोजाना शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा। तार टूटकर बारिश के पानी में गिरने की स्थिति में

बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि किसी अनहोनी के बाद कार्रवाई करने के बजाय बिजली विभाग को समय रहते समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए। फौजदार कॉलोनी में तेज वोल्टेज ने फूँके लाखों के उपकरण फौजदार कॉलोनी में पिछले कई दिनों से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा होने के कारण बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित है। कॉलोनीवासियों के अनुसार फेस-टू-फेस तेज वोल्टेज आने से घरों में लगे लाखों रुपये के बिजली उपकरण जल गए। इनवर्टर फेल होने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भी परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है। अमित फौजदार, नरेश सैनी, सतबीर, रमेश जांगिड़, रतन सैनी सहित कॉलोनीवासियों ने बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता को शिकायत दी। विभाग के लाइनमैन मौके पर पहुंचे, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। कर्मचारियों ने ट्रांसफार्मर की खूंदी खराब होने की बात बताई।अधिकारियों तक मामला पहुंचा, फिर भी नहीं हुआ समाधान प्रमुख समाजसेवी एवं अखिल भारतीय व्यापार सुरक्षा मंच के शहरी प्रधान अमित गौयल ने भी अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता, एसडीओ और कनिष्ठ अभियंता को फोन पर मामले से अवगत कराया।

बरसात के साथ चरमराई अटेली की बिजली

मंडी अटेली। अटेली शहर में मानसून की बारिश शुरू होते ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है जिससे आमजन को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पिछले करीब एक सप्ताह से यह लचर व्यवस्था जस की तस बनी हुई है और हालात यह हैं कि हल्की बारिश होते ही शहर की बिजली गुल हो जाती है।सोमवार को उमस भरी भयंकर गर्मी के बीच लगातार होती बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और अधिक बढ़ा दीं। पूरे दिन बार-बार बिजली कट लगने के कारण घरों और बाजारों में कारोबार पूरी तरह प्रभावित रहा। स्थानीय निवासियों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि बारिश थमने के बावजूद बिजली आपूर्ति पट्टरी पर नहीं लौटती जिसके लिए कई-कई घंटों तक इंतजार करना पड़ता है।शहरवासियों के अनुसार बिजली की आंख-मिचौली का आलम यह है कि बड़ी मुश्किल से पांच मिनट के लिए सप्लाई आती है और फिर दो घंटे तक गायब रहती है। इस अस्थिर और लंबी कटौती से विद्यार्थियों की पढ़ाई, व्यापारियों के कामकाज और गृहिनियों के रोजमर्रा के घरेलू कार्य बुरी तरह बाधित हो रहे हैं। परेशान नागरिकों ने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से पुनरावलोकन मांग की है।

मसानी चौक से कॉलेज रोड तक एक भी सार्वजनिक शौचालय में नहीं होने लोग परेशान

55 लाख से शहर में होगा सुलभ शौचालय का निर्माण, एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी

छह नए जनसुविधा केंद्र बनाने की प्रक्रिया हुई शुरू

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

नगर पालिका ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छह नए जनसुविधा केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए करीब 55 लाख रुपये के टेंडर जारी कर एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। परियोजना पूरी होने के बाद लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। छह नए आधुनिक लैस से जनसुविधा केंद्रों में कुल 36 शौचालय सीटें बनाए जाएंगे। इन केंद्रों का निर्माण आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप किया जाएगा। इन शौचालय में तीन बड़े व तीन छोटे शौचालय बनाए जाएंगे। नगर पालिका की ओर इन शौचालय बनवाने के लिए जगह की चिन्तित कर लिया गया है। अगस्त माह के अंतिम सप्ताह तक



महेंद्रगढ़। नगर पालिका का मुख्यद्वार।

फोटो : हरिभूमि

कार्य शुरू किया जाएगा। शहर के प्रमुख बाजारों में लंबे समय से जनसुविधा केंद्रों की कमी महसूस की जा रही थी। विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और दूर-दराज से खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। दुकानदारों को भी शौचालय की सुविधा के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती थी जिसके चलते व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नई परियोजना से बाजारों में स्वच्छता व्यवस्था

बेहतर होगी और लोगों को बार-बार सार्वजनिक सुविधाओं की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा। यदि निर्माण कार्य समय पर पूरा हो जाता है तो शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण विकसित होगा। आधुनिक शौचालयों में स्वच्छता और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इनमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था होगी। साथ ही नियमित सफाई, पानी की उपलब्धता, प्रकाश व्यवस्था तथा

इन स्थानों पर बनाया जाएगा शौचालय नगर पालिका की ओर से शहर में छह जगहों पर आधुनिक शौचालय बनाया जाएगा। इनमें तीन बड़े व तीन छोटे आधुनिक लैस शौचालय बनाया जाएगा। नपा की ओर से करीब 45 लाख रुपये में बस स्टैंड के सामने बने शौचालय को हाईटेक शौचालय बनाया जाएगा। इसके अलावा नगर पालिका कार्यालय के सामने खाली जगह पर, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल के नजदीक मोहल्ला सैनीपुरा में बड़े आधुनिक शौचालय बनाया जाएगा। वहीं सब्जी मंडी गेट के नजदीक, मसानी चौक, पुराने महाविद्यालय के नजदीक तथा मोहल्ला सैनीपुरा में 2.50-2.50 लाख रुपये से छोटे शौचालय बनाए जाएंगे।

नागरिकों को मिलेगी सुविधा

नगर पालिका की ओर से शहर में करीब 55 लाख रुपये की लागत से छह आधुनिक लैस शौचालय बनाए जाएंगे। इसके लिए एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शहरवासियों के साथ-साथ बाहर से आने वाले लोगों को भी बेहतर नागरिक सुविधा उपलब्ध होगी। निर्माण कार्य निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूरा कर शौचालयों को आमजन के उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा, जिससे शहर की आधारभूत सुविधाओं में एक और महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी।

-रमेश सैनी, प्रधान, नगर पालिका, महेंद्रगढ़।

बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने की योजना भी बनाई जा रही है, ताकि शौचालय लंबे समय तक उपयोगी बने रहें। आवश्यकता के अनुसार दिव्यांगजन के लिए भी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विचार किया जा रहा है। मसानी

शिकायतों का यथासंभव करें निपटारा: एसडीएम

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों का यथाशीघ्र उचित निपटारा करें। मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी के निर्देशों पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में एक ही छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है। एसडीएम योगेश सैनी ने स्थानीय लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय कोर्ट रूम में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की जनसमस्याओं की सुनवाई की। उन्होंने समस्याओं को सुनते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभाग के अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त हो रही हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें। उन्होंने लंबित शिकायतों की मौखिक करते हुए संबंधित विभागों के मौके पर उपस्थित अधिकारियों को इन शिकायतों का तुरंत निपटारा करने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार अजय कुमार, एसडीएम कार्यालय अधिकारी ममता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संत गुरु रविदास करोड़ों लोगों की आस्था, सम्मान, समानता, सामाजिक न्याय के है प्रतीक

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडी अटेली

बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम पर हो रही वर्तमान राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि संत गुरु रविदास महाराज किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है, बल्कि वह करोड़ों लोगों की आस्था, सम्मान, समानता, सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। प्रमोद कटारिया ने वर्ष 2019 में दिल्ली के तुगलकाबाद स्थित संतगुरु रविदास महाराज के ऐतिहासिक गुरुघर को

15 अगस्त के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक ने जारी की एडवाइजरी

किरायेदारों का सत्यापन करना सुनिश्चित करें मकान मालिक

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह बिना सत्यापन किरायेदार रखने से बचें। अपने मकान, दुकान अथवा अन्य संपत्ति में रह रहे सभी किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अवश्य करवाएं। यदि किसी किरायेदार का पुलिस सत्यापन अभी तक नहीं हुआ है अथवा लंबित है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाएं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कई बार आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति दूसरे शहर अथवा राज्य

ऑनलाइन कर सकते है सत्यापन



दोनों माध्यमों से करवाया जा सकता है। इसके लिए संबंधित पुलिस थाना में संपर्क किया जा सकता है तथा उपलब्ध ऑनलाइन नागरिक सेवाओं के माध्यम से भी सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

से आकर किराये के मकान में अपनी पहचान छिपाकर रहने लगते हैं और आपराधिक वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। यदि किरायेदार का सही नाम, पता, पहचान पत्र, मोबाइल नंबर एवं

अन्य आवश्यक जानकारी पुलिस के रिकॉर्ड में उपलब्ध हो, तो किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में पुलिस को संदिग्ध व्यक्ति तक पहुंचने में काफी मदद मिलती है। 15 अगस्त के मद्देनजर अपने यहां रह

रहे प्रत्येक किरायेदार का पुलिस सत्यापन जरूर करवाएं। जिन किरायेदारों का सत्यापन पहले से हो चुका है, वे यह सुनिश्चित कर लें कि उपलब्ध जानकारी सही है। यदि कोई व्यक्ति बिना उचित पुलिस सत्यापन के किराये पर रह रहा है। अथवा कोई मकान मालिक बिना सत्यापन के किरायेदार रखता है और बाद में वह व्यक्ति किसी आपराधिक या संदिग्ध गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है, तो संबंधित नियमों के अनुसार मकान मालिक के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा सकती है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और किरायेदार का सत्यापन समय रहते करवाएं।

सुरक्षा सामूहिक जन्मा

अपने मकान में रहने वाले प्रत्येक किरायेदार का पुलिस सत्यापन करवाएं, बिना सत्यापन किसी व्यक्ति को किराए पर न रखें, किरायेदार की पहचान, पता एवं मोबाइल नंबर का नजरअंदाज न करें। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने कहा कि सुरक्षा केवल पुलिस को जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। किरायेदार का समय पर पुलिस सत्यापन करवाकर आप स्वयं, अपने परिवार और पूरे समाज की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।



महेंद्रगढ़। कावड़ियों का स्वागत करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

कावड़ियों का फूलमालाएं पहनाकर किया स्वागत

■ सावन के महीने में पूरा प्रदेश शिवमय हुआ प्रदेश, कावड़ यात्रा हमारी धार्मिक आस्था और संस्कृति का प्रतीक : पवन चौधरी

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़ सावन माह में हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर लौट रहे कावड़ियों का क्षेत्र में जगह-जगह श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया जा रहा है। गांव पाली के पास मुख्यमंत्री के सलाहकार पवन चौधरी ने कावड़ लेकर लौट रहे अजय सिगड़िया और डॉ. योगेंद्र यादव का फूल मालाओं से स्वागत किया। पवन चौधरी ने कहा कि सावन के महीने में पूरा प्रदेश शिवमय हो गया है। कावड़ यात्रा हमारी धार्मिक आस्था और संस्कृति का प्रतीक है।

प्रदेश सरकार की ओर से कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कावड़ियों के स्वागत के लिए अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे और फूल मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद पाली से रिवासा तक श्रद्धालुओं ने पदयात्रा निकाली। डीजे पर बज रहे बम भोले और भगवान शिव के भजनों पर श्रद्धालु जमकर थिरके। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने कावड़ियों पर फूल बसाए और आदिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। पूरे रास्ते हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कावड़ियों के स्वागत को लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।